खण्ड 10 संख्या 17

बिहार विधान-सभा वाद्वृत्त

(भाग-1—कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

मंगलवार, तिथि 19 जुलाई, 1983।

विषय-सूची

	पृष्ठ
प्रश्नों के मौखिक उत्तर :	
अल्पसूचित प्रश्नोत्तर संख्या 46, 47	1—8
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या 1331, 1333, 1336, 1337, 1500, 2138, 2139, 2140।	9—24
परिशिष्ट (प्रश्नों के लिखित उत्तर)	25—88
दैनिक निबन्ध	89

टिप्पणी—किन्हीं मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है।

श्री मदन प्रसाद सिंह—प्रश्न के प्रथम भाग का उत्तर स्वीकारात्मक है। सड़क के पक्कीकरण पर लगभग एक करोड़ रुपए व्यय होने का अनुमान है जो अर्थाभाव के कारण संभव नहीं है

महिला महाविद्यालय का अंगीभूतीकरण।

*2138. श्री वृशिण पटेल—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सरकार की घोषित नीति के अनुसार हर जिला मुख्यालय में एक अंगीभूत महिला महाविद्यालय की स्थापना की जाएगी;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त नीति के बाद भी वैशाली जिला मुख्यालय में 1971 से स्थापित एकमात्र महिला महाविद्यालय को अंगीभूत नहीं किया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो वैशाली महिला महाविद्यालय को सरकार कबतक अंगीभूत करने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो क्यों ?

प्रभारी मंत्री, शिक्षा विभाग—(1) उत्तर नकारात्मक है।

(2) खण्ड (1) के उत्तर के आलोक में इसका प्रश्न नहीं उठता।

(3) खंड (1) एवं (2) के उत्तर के आलोक में इसका प्रश्न नहीं उठता।

श्री वृशिण पटेल—अध्यक्ष महोदय, मैं पूछता हूं, लेकिन इसका उत्तर दिया हुआ है, अतः मैं पूरक प्रश्न ही पूछता हूं।

अध्यक्ष—ठीक है। आप पूछें।

श्री वृशिण पटेल—अध्यक्ष महोदय, खंड (1) के उत्तर में जवाब दिया गया है कि उत्तर नकारात्मक है, तो यह मुख्य मंत्री को स्पष्ट घोषणा है सदन में कि हम हर जिला मुख्यालय में एक अंगीभूत महिला महाविद्यालय की स्थापना करेंगे, तो मैं जानना चाहता हूं कि यह घोषणा मुख्य मंत्री की है या नहीं ?

श्री करम चन्द भगत—मैंने जवाब में दे दिया है कि उत्तर नकारात्मक है।

श्री वृशिण पटेल—तो, मुख्य मंत्री की यह घोषणा है या नहीं ?

अध्यक्ष—इन्होंने कहा कि "नहीं"।

श्री राजकुमार पूर्वे—अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री की यह घोषणा सदन की है, या चुनाव की ?

श्री वृशिण पटेल—बजट भाषण का है।

श्री राजो सिंह—सरकार गलत उत्तर दे रही है। मुख्य मंत्री ने सदन में ही यह घोषणा की थी।

श्री राजकुमार पूर्वे—अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री यहां बैठे हुए हैं तब भी मंत्री महोदय मुख्य मंत्री द्वारा इस सदन में की गई घोषणा पर निगेटिव रिप्लाई देते हैं। घोषणा हुई है या नहीं मुख्य मंत्री के द्वारा, क्योंकि माननीय सदस्य कहते हैं कि हुआ है और माननीय शिक्षा मंत्री कहते हैं कि ऐसी घोषणा नहीं हुई है, तो मैं जानना चाहता हूं कि दोनों में कौन गलत बोल रहे हैं, इसे स्पष्ट कर दें और उसपर कोई कार्रवाई कीजिए ?

श्री जनार्दन तिवारी—अध्यक्ष महोदय, माननीय शिक्षा मंत्री सदन को मिसलीड कर रहे हैं।

अध्यक्ष—अब हमें प्रश्न के सन्दर्भ में विचार करना है। प्रश्न में है कि सरकार की घोषित नीति के अनुसार हर जिला मुख्यालय में एक अंगीभूत महिला महाविद्यालय की स्थापना की जायगी। प्रश्न यह है कि हरेक जिला मुख्यालय में एक कंस्टीच्यूएन्ट कालेज की स्थापना की जाएगी। अभी आप कुछ दूसरा जानना चाहते हैं···

श्री इन्दर सिंह नामधारी—जब जिला के मुख्यालय में है, उसको अंगीभूत बनाने में सरकार को क्या हर्ज है ?

श्री जनार्दन तिवारी—जब कि हर जिला मुख्यालय में खोलने की सरकार की घोषणा है ?

अध्यक्ष—प्रश्नकर्त्ता सदस्य जहां पहले से महिला महाविद्यालय है, उसे अंगीभूत कालेज बनाने के निर्णय के बारे में जानना चाहते हैं।

श्री मुंशीलाल राय—अध्यक्ष महोदय, क्या सरकार बतलाएगी कि इसी सदन में मुख्य मंत्री ने घोषणा की थी कि प्रत्येक जिला के मुख्यालय में एक महिला महाविद्यालय की स्थापना की जाएगी ?

श्री करमचन्द भगत—ऐसी कोई बात नहीं है।

श्री मुंशीलाल राय—अध्यक्ष महोदय, मैं एक दूसरा सवाल पूछना चाहता हूं। क्या सरकार यह बतलाएगी कि वैशाली जिला में सिर्फ एक ही महिला महाविद्यालय है जो 1971 से स्थापित है, तो क्या सरकार इसे अंगीभूत करने का विचार रखती है ?

श्री करमचन्द भगत—सरकार का विचार अभी नहीं है।

डा0 जगन्नाथ मिश्र—दो बातों को लेकर कंफ्यूजन हो रहा है। सरकार जब महाविद्यालयों को अंगीभूत कर रही थी, तो उस समय यह घोषणा की थी कि जिला मुख्यालय में जो महिला महाविद्यालय होगा उनको सरकार अंगीभूत करेगी, जो हमने कर लिया है। माननीय सदस्य श्री वृशिण पटेल कह रहे हैं, इनका सवाल गलत है, इनका तथ्य गलत है। अगर 1971 से यह महाविद्यालय हुआ होता तो वह अपने आप हमारी नीति के मुताबिक अंगीभूत हुआ होता। इनकी तिथि गलत है। कहीं-न-कहीं त्रुटि रहने के कारण ही वह अगीभूत नहीं बना होगा। जिस दिन हमारा फैसला हुआ, उस दिन औपचारिक रूप से डिग्री स्तर के कालेज नहीं रहा होगा, इसलिए अंगीभूत नहीं हुआ होगा।

श्री वृशिण पटेल—मैं इनके उत्तर का चैलेंज करता हूं। मुख्य मंत्री का यह कहना कि यदि यह कालेज 1971 से रहता तो अंगीभूत हो जाता, मैं इनके उत्तर को चैलेंज करता हूं और मैं कहता हूं कि यह महाविद्यालय 1971 से है।

अध्यक्ष—डिग्री स्तर तक का कालेज नहीं हुआ होगा उस समय तक।

श्री मुंशीलाल राय—यह महाविद्यालय 1971 से है, तो सरकार इसको अंगीभूत बनाएगी या नहीं ?

डा0 जगन्नाथ मिश्र—इसको जांच करा देंगे। वैशाली क्यों छूट गया, इसको दिखलवा देंगे।

श्री मुंशीलाल राय—चूंकि वैशाली महिला महाविद्यालय का सवाल है, इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि चिठ्ठी पर बहाली नहीं किए जाने के कारण इसको अंगीभूत होने से रोके हुए हैं और उस समय कंस्टीच्यूएंट नहीं किया गया जबकि सभी शर्तें यह पूरा करता है, इस महाविद्यालय के पास अपनी जमीन है, मकान है, विद्यार्थी हैं तब सरकार क्यों नहीं इसको अंगीभूत करती है ?

डा0 जगन्नाथ मिश्र—हम विचार करेंगे।

श्री राम लखन सिंह यादव—अध्यक्ष महोदय, हमलोगों को भी मालूम है और आपको भी मालूम होगा कि मुख्य मंत्री ने इसी सदन में एलान किया था कि प्रत्येक

जिला हेडक्वार्टर्स में एक महिला महाविद्यालय और प्रत्येक प्रखण्ड में एक गर्ल्स हाई-स्कूल की स्थापना सरकार करने जा रही है। मुख्य मंत्री महोदय, इसको देख लें, अगर वे कहेंगे कि हमने ऐसा नहीं कहा है, तो हमलोग भी प्रोसिडिंग से निकालने की कोशिश करेंगे।

डा० जगन्नाथ मिश्र—हमने कहा था अंगीभूत करने के समय कि जिला मुख्यालय में महिला महाविद्यालय को अंगीभूत किया जाएगा, वह हमने किया। यह कालेज डिग्री कालेज नहीं रहा होगा, तकनीकी दृष्टिकोण से। यह तो माननीय सदस्य श्री वृशिण पटेल के पौकेट में था।

श्री मुंशीलाल राय—यह 1971 से ही है।

श्री इन्दर सिंह नामधारी—मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि इसको कंस्टीच्यूएंट नहीं होने के पीछे राजनीति आड़े हाथ आ रहा है?

अध्यक्ष—हमने जो समझा है, चुना है, इसमें आश्वासन हो गया है कि यदि सरकार की घोषित नीति के अन्तर्गत यह कालेज सभी शर्तें पूरा करेगा, तो यह कनभर्ट हो जाएगा अंगीभूत में। इसमें जो त्रुटि रहेगी उसे दूर कर दिया जाएगा।

श्री विजय कुमार सिंह—1971 से कॉलेज होगा तो क्या यह अंगीभूत हो जायगा?

अध्यक्ष—उन्होंने कहा है कि 1972 से होगा, तो हो जायगा। हमने यही सुना है।

श्री वृशिण पटेल—1971 से होगा, तो यह कबतक अंगीभूत हो जायगा?

अध्यक्ष—यह स्वतः हो जायगा।

श्री विजय कुमार सिंह—1971 से होने पर यह अंगीभूत हो जायगा न?

अध्यक्ष—हमने जो सुना उसके हिसाब से हो जायगा।

श्री वृशिण पटेल—इस पर मुख्य मंत्री आश्वासन दें कि यह हो जायगा।

अध्यक्ष—मुख्य मंत्री को खुद आश्चर्य है कि यह कैसे छूट गया, इसमें कोई त्रुटि होगी, इसलिये यह छूट गया होगा।